स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजनान्तर्गत गरीब स्वयं सहायता समूह - धनौरा बुजुर्ग, विकास खण्ड- बढ़नी, जनपद सिद्धार्थ नगर की सफलता की कहानी

=-=

जनपद सिद्धार्थ नगर का विकास खण्ड- बढ़नी जो जनपद मुख्यालय से लगभग 50 कि0मी0 पश्चिम दिशा में बलरामपुर जनपद के सरहद से सटा हुआ है । उत्तर दिशा में नेपाल राज्य है । विकास खण्ड मुख्यालय से लगभग 03 किमी0 पूरब में ग्राम पंचायत- धनौरा बुजुर्ग स्थित है । इस गांव के 10 निर्धन परिवारों के सदस्यों ने मिलकर स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत गरीब स्वयं सहायता समूह धनौरा बुजुर्ग का गठन दिनांक- 09-3-2003 को किया । इस समूह के सदस्यों द्वारा प्रति स्वरोजगारी मु0- 20-00रू0 मात्र अंशदान एकत्र करके सेवा क्षेत्र के बैंक पंजाब नेशनल बैंक- बढ़नी में समूह का बचत खाता संख्या-3306 खोला गया । समूह में विभिन्न वर्ग के लोग सम्मिलत हैं । समूह के सदस्यों ने बैठक करके श्री मो0 रोजन को अध्यक्ष तथा श्री राम मिलन को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया । समूह के सभी सदस्य प्रति माह बैठक करके सदस्यता शुल्क मु0 20-00रू0 प्रति सदस्य नियमित कोषाध्यक्ष के पास जमा करते हैं । इस प्रकार प्राप्ति सदस्यता शुल्क की धनराशि को समूह के बचत खाता में जमा कर दिया जाता रहा है । समूह अपने बचत खाते की धनराशि से समय-समय पर अपने सदस्यों की मांग पर उनकी जरूरतों के अनुसार 02 प्रतिशत ब्याज पर अन्तरिम ऋण भी सदस्यों को देता रहा । इस तरह से सदस्यों की छोटी-छोटी जरूरतें पूरी होतीं रहीं और इनको किसी अन्य व्यक्ति या साहूकार का दरवाजा नहीं खटखटाना पड़ा । समूह के सभी सदस्यों को अब अन्तरिम ऋण के द्वारा लेन-देन कराकर लाभान्वित कराया जा चुका है । समूह के कार्य कलाप से संतुष्ट होने के उपरान्त दिनांक- 22-7-2004 को सम्बन्धित बैंक शाखा एवं विकास खण्ड द्वारा प्रथम ग्रेड उत्तीर्ण किया गया । तत्पश्चात दिनांक- 27-8-2004 को मु0 10,000=00 रू0 मात्र समूह रिवाल्विंग फण्ड की धनराशि समूह के सी0सी0एल0 करने हेतु विकास खण्ड स्तर से बैंक शाखा को प्रेषित किया गया । दिनांक- 18-3-2005 को बैंक शाखा द्वारा मु0- 15,000=00 अपने स्तर से जोड़ते हुए मु0- 25,000=00रू0 मात्र का कैश क्रेडिट जारी किया गया । कैश क्रेडिट की धनराशि में से प्रत्येक सदस्य को मु0- 2500=00रू0 ऋण के रूप में दिये गये । उक्त ऋण की धनराशि से कुछ सदस्यों द्वारा छोटे पैमाने पर मुर्गी पालन एवं बकरी पालन का कार्य किया गया तथा क्रमशः आय अर्जित करके बैंक को कैश क्रेडित धनराशि को जमा कर दिया गया । तथा कई बार लेन- देन किया गया । दिनांक- 12-7-2005 को बैंक शाखा एवं विकास खण्ड द्वारा समूह को द्वितीय ग्रेड उत्तीर्ण किया । इसके बाद समूह के सदस्यों ने इच्छानुसार प्रस्ताव करके मुर्गी पालन व्यसाय हेतु ऋण लेने के लिए बैंक शाखा में विकास खण्ड के माध्यम से आवेदन किया । शाखा प्रबन्धक ने समूह की साख को ध्यान में रखकर मु02,50,000=00रू0 मात्र का ऋण स्वीकृत किया तथा शासन से

उक्त ऋण धनराशि का व्यय समूह ने मुर्गी बाड़ा निर्माण, चूजों के क्रय, कनसान्ट्रेड दाना क्रय तथा अन्य उपकरण क्रय करने में किये । बैंक शाखा द्वारा ऋण की अदायगी हेतु रु0-5,000=00 रु0 मय ब्याज धन0 अदायगी हेतु निर्धारित किया है । समूह द्वारा ऋण की किश्तों की अदायगी ब्याज सहित नियमित की जा रही है । रु0 1,25,163=00 किश्त की धनराशि मय ब्याज जमा किया जा चुका है । प्राप्त आय का अधिकतर भाग मुर्गी व्यवसाय को बढ़ाने हेतु व्यय किया जा रहा है तथा लाभांश सभी सदस्यों में बराबर- बराबर वितरित कर दिया जाता है । सभी सदस्य खुश एवं संतुष्ट हैं ।

खण्ड विकास अधिकारी,
बढ़नी- सिद्धार्थ नगर ।
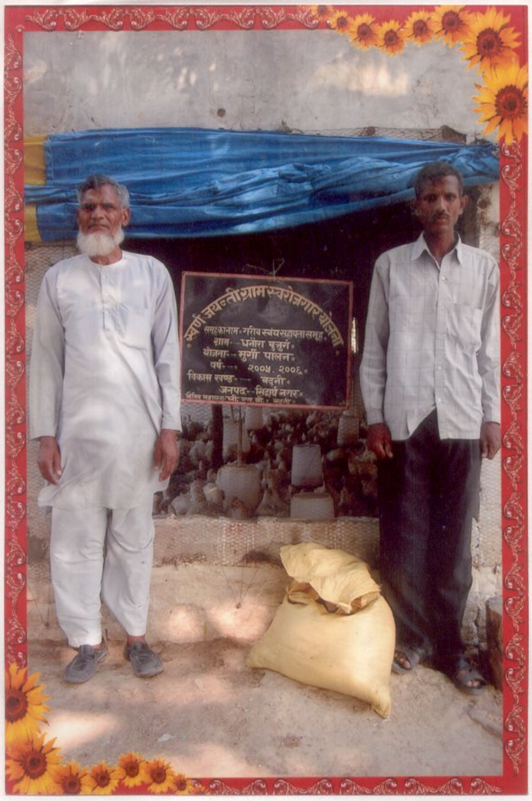
SGSY अन्तर्गत स्वंय सहायता समूह
धनौरा बुजुर्ग
वि॰ ख॰ - बढ़नी